चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	2-03-23	2	3-4

जल व पर्यावरण संरक्षण का दिया संदेश

एचएयू में 13 राज्यों के स्वयंसेवकों ने दी सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति

हिसार | चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना द्वारा 7 दिवसीय राष्ट्रीय एकता शिविर का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें 13 राज्यों से आए स्वयंसेवक भाग ले रहे हैं। शिविर के चौथे दिन जलवायु परिवर्तन विषय पर स्वयंसेवकों ने विश्वविद्यालय के गेट नंबर 4 से रैली निकाली। रैली के माध्यम से स्वयंसेवकों ने जल एवं पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर काम्बोज ने हरी झंडी दिखाकर रैली की शुरुआत की। यह रैली विश्वविद्यालय के गेट नंबर 4 से शुरू होकर जवाहर नगर मार्केट, सेक्टर 15, मेन राजगढ़ रोड से होते हुए वापिस विश्वविद्यालय पहुंची। इस दौरान युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय, राष्ट्रीय सेवा योजना, नई दिल्ली में क्षेत्रीय निदेशक जैंगजिलांग ने भी स्वयंसेवकों का हौंसला बढ़ाया। अलग-अलग राज्यों से आए स्वयंसेवकों ने अपनी वेशभूषा के साथ नृत्य कर संस्कृति, विविधता व अखंडता का परिचय दिया, जोकि आकर्षण का केंद्र रहा।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक जागरण	2-03-23	2	7-8

स्वयंसेवकों ने निकाली रैली, कुलपति बीआर काम्बोज ने दिखाई हरी झंडी

हरी झंडी दिखाकर रैली को रवाना करते कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज। • पीआरओ

जासं, हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना द्वारा सात दिवसीय राष्ट्रीय एकता शिविर का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें 13 राज्यों से आए स्वयंसेवक भाग ले रहे हैं। चौथे दिन जलवायु परिवर्तन विषय पर स्वयंसेवकों ने विश्वविद्यालय के गेट नंबर 4 से रैली निकाली। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने हरी झंडी दिखाकर रैली की शुरुआत की। यह रैली विश्वविद्यालय के गेट नंबर 4 से शुरू होकर जवाहर नगर मार्केट, सेक्टर 15, मेन राजगढ़ रोड से होते हुए वापस विश्वविद्यालय पहुंची। इस दौरान युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय, राष्ट्रीय सेवा योजना, नई दिल्ली में क्षेत्रीय निदेशक जैंगजिलांग ने भी स्वयंसेवकों का हौंसला बढ़ाया। अलग-अलग राज्यों से आए स्वयंसेवकों ने अपनी वेशभूषा के साथ नृत्य कर संस्कृति, विविधता व अखंडता का परिचय दिया, जोकि आकर्षण का केंद्र रहा। कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने संबोधन में कहा कि कुरीतियों को दूर करने में स्वयंसेवक हर अहम भूमिका निभा सकते हैं। कार्यक्रम में आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, उड़ीसा, असम, सिक्किम, सहित अन्य राज्यों के स्वयंसेवकों ने नृत्य, गायन, वादन व लघु नाटिका के माध्यम से अपने-अपने लोकगीत, वेशभूषा, संस्कृति का परिचय दिया। डा. चंद्रशेखर डागर व डा. भगत सिंह भी मौजूद रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब केसरी	2-03-22	5	5-8

स्वयंसेवकों ने निकाली रैली, पर्यावरण व जल संरक्षण करने का दिया संदेश

हिसार, 1 मार्च (ब्यूरो): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना द्वारा 7 दिवसीय राष्ट्रीय एकता शिविर का आयोजन किया जा रहा है। इसमें 13 राज्यों से आए स्वयंसेवक भाग ले रहे हैं। शिविर के चौथे दिन जलवायु परिवर्तन विषय पर स्वयंसेवकों ने विश्वविद्याल के गेट नंबर 4 से रैली निकाली। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर काम्बोज ने हरी झंडी दिखाकर रैली की शुरुआत की।

यह रैली विश्वविद्यालय के गेट नंबर 4 से शुरू होकर जवाहर नगर मार्केट, सैक्टर 15, मेन राजगढ़ रोड से होते हुए वापस विश्वविद्यालय पहुंची। इस दौरान युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय, राष्ट्रीय सेवा योजना, नई दिल्ली में क्षेत्रीय निदेशक जैंगजिलांग ने भी स्वयंसेवकों का हौसला बढ़ाया। अलग-अलग राज्यों से आए स्वयंसेवकों ने अपनी वेशभूषा के साथ नृत्य कर संस्कृति, विविधता व अखंडता का परिचय दिया।

कुलपति प्रो. बी.आर काम्बोज ने कहा कि समाज में फैली कुरीतियों को दूर करने में स्वयंसेवक

हरी झंडी दिखाकर रैली को रवाना करते कुलपति प्रो. बी.आर काम्बोज।

हर अहम भूमिका निभा सकते हैं। साथ ही हमें पर्यावरण और जल संरक्षण करने की भी जरूरत है। तभी हम देश की उन्नति में बेहतरीन भागीदारी निभा सकते हैं।

वहीं रैली के दौरान स्वयंसेवकों ने इससे पहले कि हम मिट जाएं-चलो हम ग्लोबल वार्मिंग मिटाएं, प्रकृति का न करें हरण, आओ बचाएं पर्यावरण, पर्यावरण बचाओ-जीवन बचाओ, जन-जन का है यही नारा-पर्यावरण बचाना लक्ष्य हमारा के स्लोगन के माध्यम से लोगों को पर्यावरण व जल संरक्षण का संदेश दिया।

स्वयंसेवकों को अलग-अलग राज्यों की संस्कृति से जोड़ने के लिए सांस्कृतिक कार्यक्रम का भी आयोजन किया। कार्यक्रम के दौरान आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, उड़ीसा, असम, सिक्किम, सहित अन्य राज्यों के स्वयंसेवकों ने नृत्य, गायन, वादन व लघु नाटिका के माध्यम से अपने-अपने लोकगीत, वेशभूषा, संस्कृति का परिचय दिया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अजीत समाचार	2-03-23	5	6-8

स्वयं सेवकों ने रैली निकाल दिया जल व पर्यावरण संरक्षण का संदेश

हिसार, 1 मार्च (विरेंद्र वर्मा) : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना द्वारा 7 दिवसीय राष्ट्रीय एकता शिविर का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें 13 राज्यों से आए स्वयंसेवक भाग ले रहे हैं। शिविर के चौथे दिन जलवायु परिवर्तन विषय पर स्वयंसेवकों ने विश्वविद्यालय के गेट नंबर 4 से रैली निकाली। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर काम्बोज ने हरी झंडी दिखाकर रैली की शुरुआत की। यह रैली विश्वविद्यालय के गेट नंबर 4 से शुरू होकर जवाहर नगर मार्केट, सैक्टर-15, मेन राजगढ़ रोड से होते हुए वापिस विश्वविद्यालय पहुंची। इस दौरान युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय, राष्ट्रीय सेवा योजना, नई दिल्ली में क्षेत्रीय निदेशक जैंगजिलांग ने भी स्वयंसेवकों का हौंसला बढ़ाया। अलग-अलग राज्यों से आए स्वयंसेवकों ने अपनी वेशभूषा के साथ नृत्य कर संस्कृति, विविधता व अखंडता का परिचय दिया, जोकि आकर्षण का केंद्र रहा। कुलपति प्रो. बी.आर काम्बोज ने संबोधन में कहा कि समाज में फैली कुरीतियों को दूर करने में स्वयंसेवक हर अहम भूमिका निभा सकते हैं। साथ ही हमें पर्यावरण और जल संरक्षण करने की भी जरूरत है। तभी हम देश की उन्नति में बेहतरीन भागीदारी निभा सकते हैं। इसलिए हमें इन कर्तव्यों का पालन कर अच्छा नागरिक बनाना चाहिए व दूसरों को भी ऐसे कार्यों को करने के लिए प्रोत्साहित करना चाहिए। रैली के दौरान स्वयंसेवकों ने इससे पहले की हम मिट जाएं-चलो हम ग्लोबल वार्मिंग मिटाएं, प्रकृति का न करें हरण, आओ बचाएं पर्यावरण, पर्यावरण बचाओ-जीवन बचाओ, जन जन का है यहीं नारा-पर्यावरण बचाना लक्ष्य हमारा के स्लोगन के माध्यम से लोगों को पर्यावरण व जल संरक्षण का संदेश दिया। स्वयंसेवकों को अलग-अलग राज्यों की संस्कृति से जोड़ने के लिए सांस्कृतिक कार्यक्रम का भी आयोजन किया, जिसमें मुख्य अतिथि कुलपति प्रो. बी.आर काम्बोज रहे, जबकि हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड के पूर्व चेयरमैन डॉ. जगबीर सिंह विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद रहे।

कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज हरी झंडी दिखाकर रैली को रवाना करते हुए।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अमर उजाला	2.03.23	4	3-6

स्वयंसेवकों ने रैली निकालकर दिया जल संरक्षण और पर्यावरण बचाने का संदेश

एचएयू में अलग-अलग राज्यों से आए स्वयंसेवकों ने अपनी वेशभूषा के साथ संस्कृति से कराया रूबरू

माई सिटी रिपोर्टर

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (एचएयू) के राष्ट्रीय सेवा योजना के 7 दिवसीय राष्ट्रीय एकता शिविर के चौथे दिन जलवायु परिवर्तन विषय पर स्वयंसेवकों ने विश्वविद्यालय के गेट नंबर 4 से रैली निकाली। कुलपति प्रो. बीआर कांबोज ने हरी झंडी दिखाकर रैली की शुरुआत की।

इस दौरान युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय, राष्ट्रीय सेवा योजना, नई दिल्ली में क्षेत्रीय निदेशक जैंगजिलांग ने भी स्वयंसेवकों का हौसला बढ़ाया। अलग-अलग राज्यों से आए स्वयंसेवकों ने अपनी वेशभूषा के साथ नृत्य कर संस्कृति, विविधता व अखंडता का परिचय दिया। स्वयंसेवकों को अलग-अलग राज्यों की संस्कृति से जोड़ने के लिए सांस्कृतिक कार्यक्रम का भी आयोजन किया। हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड के पूर्व चेयरमैन डॉ. जगबीर सिंह विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद रहे। कार्यक्रम के दौरान आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, ओडिशा, असम, सिक्किम, सहित अन्य राज्यों के स्वयंसेवकों ने नृत्य, गायन, वादन व लघु नाटिका के माध्यम से अपने-अपने लोकगीत, वेशभूषा, संस्कृति का परिचय दिया। इस दौरान डॉ. चंद्रशेखर डागर व डॉ. भगत सिंह भी मौजूद रहे।

हिसार में एचएयू के सामने से जागरूकता रैली निकालते स्वयंसेवक। संवाद

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सच कहूँ	2-03-23	5	7-8

राष्ट्रीय एकता शिविर में स्वयंसेवकों ने निकाली रैली

■ जल व पर्यावरण संरक्षण करने का दिया संदेश

हिसार (सच कहूँ/ श्याम सुन्दर सरदाना)। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना द्वारा 7 दिवसीय राष्ट्रीय एकता शिविर का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें 13 राज्यों से आए स्वयंसेवक भाग ले रहे हैं। शिविर के चौथे दिन जलवायु परिवर्तन विषय पर स्वयंसेवकों ने विश्वविद्यालय के गेट नंबर 4 से रैली निकाली। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर कंबोज ने हरी झंडी दिखाकर रैली की शुरूआत की। यह रैली विश्वविद्यालय के गेट नंबर 4 से शुरू होकर जवाहर नगर मार्केट सेक्टर 15, मेन राजगढ़ रोड से होते हुए वापिस विश्वविद्यालय पहुंची। युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय, राष्ट्रीय सेवा योजना, नई दिल्ली में क्षेत्रीय निदेशक जैंगजिलांग ने भी स्वयंसेवकों का हौंसला बढ़ाया। अलग-अलग राज्यों से आए स्वयंसेवकों ने अपनी वेशभूषा के साथ नृत्य कर संस्कृति, विविधता व अखंडता का परिचय दिया, जोकि आकर्षण का केंद्र रहा।

कुलपति प्रो. बी.आर कंबोज ने संबोधन में कहा कि समाज में फैली कुरीतियों को दूर करने में स्वयंसेवक हर अहम भूमिका निभा सकते हैं। स्वयंसेवकों को अलग-अलग राज्यों की संस्कृति से जोड़ने के लिए सांस्कृतिक कार्यक्रम का भी आयोजन किया, जिसमें मुख्यातिथि कुलपति प्रो. बी.आर कंबोज रहे। हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड के पूर्व चेयरमैन डॉ. जगधीर सिंह विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद रहे। कार्यक्रम के दौरान आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, उड़ीसा, असम, सिक्किम, सहित अन्य राज्यों के स्वयंसेवकों ने नृत्य, गायन, वादन व लघु नाटिका के माध्यम से अपने-अपने लोकगीत, वेशभूषा, संस्कृति का परिचय दिया। इस दौरान डॉ. चंद्रशेखर डागर व डॉ. भगत सिंह भी मौजूद रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक ट्रिब्यून	2-03-23	5	1-2

स्वयंसेवकों ने दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेश

हिसार में बुधवार को स्वयंसेवकों की रैली को हरी झंडी दिखाकर रैली को रवाना करते कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज। -निस

हिसार (निस) : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना द्वारा 7 दिवसीय राष्ट्रीय एकता शिविर का आयोजन किया जा रहा है। इसमें 13 राज्यों से आए स्वयंसेवक भाग ले रहे हैं। शिविर के चौथे दिन जलवायु परिवर्तन विषय पर स्वयंसेवकों ने विश्वविद्यालय के गेट नंबर 4 से रैली निकाली। कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने हरी झंडी दिखाकर रैली को रवाना किया। रैली के दौरान स्वयंसेवकों ने इससे पहले की हम मिट जाएं, चलो हम ग्लोबल वार्मिंग मिटाएं, प्रकृति का न करें हरण, आओ बचाएं पर्यावरण, पर्यावरण बचाओ-जीवन बचाओ, जल जन का है यही नारा, पर्यावरण बचाना लक्ष्य हमारा के स्लोगन के माध्यम से लोगों को पर्यावरण व जल संरक्षण का संदेश दिया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पाठक पक्ष	01.03.2023	-------	--------

प्राकृतिक खेती व मोटे अनाज को बढ़ावा देना समय की मांग : प्रो. बी.आर काम्बोज

पाठकपक्ष न्यूज

हिसार, 1 मार्च : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में आयोजित दो दिवसीय कृषि अधिकारी कार्यशाला (खरीफ) प्राकृतिक खेती व मोटा अनाज को बढ़ावा देने और किसानों के बीच लोकप्रिय बनाए जाने के आह्वान के साथ संपन्न हुई। कार्यशाला का आयोजन खरीफ फसलों की पैदावार बढ़ाने और उनको बीमारियों से बचाने वाली कृषि सिफारिशों को अंतिम रूप देने के लिए किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर काम्बोज रहे, जबकि महानिदेशक, कृषि एवं किसान कल्याण विभाग डॉ. नरहरि बांगड़ विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद रहे। कुलपति प्रो. बी.आर काम्बोज ने अपने संबोधन में कहा कि रसायनों का कम प्रयोग करके, प्राकृतिक खेती, अवशेष प्रबंधन और डिजिटाईलेशन जैसे महत्वपूर्ण विषयों को ध्यान में रखकर हमें कृषि के क्षेत्र में तेजी से काम करने होंगे। उन्होंने पोषण सुरक्षा के लिए बाजरा, ज्वार, रागी जैसे मोटे अनाजों (मिल्लेट्स) को खेती व प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण के लिए प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने की दिशा में कार्य किए जाने पर भी जोर दिया। उन्होंने बताया कि कृषि अधिकारियों, विस्तार शिक्षा विशेषज्ञों, वैज्ञानिकों व योजनाकार को एक साथ बैठकर किसानों के हित के लिए काम करने चाहिए। साथ ही बेहतर योजनाओं को जल्दी से जल्दी उपलब्ध करवाना चाहिए। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय के स्नातक स्तर के विद्यार्थी डिजिटल तकनीक उपयोग करके हजारों किसानों का डाटा विश्लेषण करके किसानों की जरूरत के अनुसार कृषि शोध का काम करने में मदद कर रहे हैं।

कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज की अध्यक्षता में संपन्न हुई इस कार्यशाला में खरीफ मौसम की फसलों पर निम्नलिखित सिफारिशें स्वीकृत की गई

- बाजरा फसलें से अच्छी पैदावार लेने के लिए 12 किलोग्राम पोटाश प्रति एकड़ - 10 किलोग्राम जिंक सल्फेट प्रति एकड़ + 0.5 प्रतिशत फेरस सल्फेट के घोल का छिड़काव बिजाई के 25 से 30 दिन के बीच में एकीकृत प्रयोग सिंचित बिजाई वाले क्षेत्रों के लिए जरूर करें।

- डेयरी प्रणाली को लाभदायक बनाने के लिए व वर्ष भर हरे चारे की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए बहुवर्षीय ज्वार की खेती एक बेहतर विकल्प है। इसको बीज व जड़ दोनों विधियों से की जा सकती है। बहु-वर्षीय ज्वार एक बार लगाने के बाद चार वर्षों तक लगातार हरा चारा देती है, जिसमें 5 कटाई प्रति वर्ष ली जा सकती है।

- धान की शीथ ब्लाइट बीमारी को नियंत्रित करने के लिए 150 मि.ली. थाइफ्लुज़ामाइड 24 एससी (इग्नेयर) को 200 लीटर पानी में घोल बनाकर प्रति एकड़ की दर से पहला छिड़काव बीमारी के लक्षण दिखाई देने पर तथा दूसरा छिड़काव 15 दिन बाद करें।

- कपास की फसल में हरा तेला एवं सफेद मक्खी की रोकथाम के लिए एफिडोपायरोपेन (सेफीना) 50 जी/एल डी.सी. की 4.00 मिलीलीटर मात्रा (20 ग्राम क्रियाशील तत्व) को 200-250 लीटर पानी में मिलाकर आर्थिक कगार आने पर प्रति एकड़ छिड़काव करें।

- बी.टी. कपास से अधिक उत्पादन लेने के लिए बौकी बनने की अवस्था, अधिकतम फूल बनने की अवस्था एवं टिंडे बनने की अवस्था पर सिंचाई या बारिश से पूर्व एवं बाद (12 घंटे के भीतर) में एनएए की 25 मि.ली. और कोबाल्ट क्लोराइड की एक ग्राम मात्रा को 100 लीटर पानी के हिसाब से छिड़काव करें।

- अरहर में निम्न व मध्यम पोटाश स्तर वाली जमीन में 12 कि.ग्रा पोटाश प्रति एकड़ की दर से बिजाई के समय डालें।

कृषि में नवीनतम तकनीक अपनाकर कृषि लागत को कम किया जा सकता है : डॉ. नरहरि बांगड

कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के महानिदेशक डॉ. नरहरि बांगड़ ने बताया कि दो दिवसीय राज्यस्तरीय कृषि अधिकारी कार्यशाला में खरीफ फसलों पर गहन चिंतन हुआ है, जोकि किसानों की कृषि से संबंधित समस्याओं से निपटारा पाने में सहयोग करेगी। कृषि विभाग चारे की कमी को पूरा करने के लिए 2.5 लाख टन क्षमता के साईलेज यूनिट बनाने पर काम कर रहा है। चारा फसलों के बहु-वर्षीय फसल चक्र अपनाकर व साईलेज बनाकर गौशालाओं में चारे की आपूर्ति की जा सकती है। कृषि में नवीनतम तकनीक अपनाकर कृषि लागत को कम किया जा सकता है। इसी कड़ी में बिजाई, पानी में घुलनशील पोषण तत्वों का छिड़काव, कीटनाशक दवाईयों का छिड़काव ड्रोन तकनीक द्वारा किया जा सकता है। कृषि विभाग 500 किसानों को ड्रोन ऑपरेट करने की ट्रेनिंग देने के बाद उन्हें ड्रोन पायलट का लाईसेंस दिलवाने की योजना बना रहा है। इस मौके पर सहायक निदेशक प्रकाशन डॉ. हवासिंह सहारण व केवीके महेंद्रगढ़ के वरिष्ठ संयोजक डॉ. रमेश यादव भी मंच पर मौजूद रहे। डॉ. सुनील ढांडा ने सभी का धन्यवाद ज्ञापित किया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पांच बजे	01.03.2023	--------	---------

एचएयू में आयोजित राष्ट्रीय एकता शिविर में स्वयंसेवकों ने निकाली रैली, जल व पर्यावरण संरक्षण करने का दिया संदेश

पांच बजे न्यूज

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना द्वारा 7 दिवसीय राष्ट्रीय एकता शिविर का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें 13 राज्यों से आए स्वयंसेवक भाग ले रहे हैं। शिविर के चौथे दिन जलवायु परिवर्तन विषय पर स्वयंसेवकों ने विश्वविद्यालय के गेट नंबर 4 से रैली निकाली। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर काम्बोज ने हरी झंडी दिखाकर रैली की शुरुआत की। यह रैली विश्वविद्यालय के गेट नंबर 4 से शुरू होकर जवाहर नगर मार्केट, सेक्टर 15, मेन राजगुरु रोड से होते हुए वापिस विश्वविद्यालय पहुंची। इस दौरान युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय, राष्ट्रीय सेवा योजना, नई दिल्ली से क्षेत्रीय निदेशक नैनीजलाल ने भी स्वयंसेवकों का हौसला बढ़ाया। अलग-अलग राज्यों से आए स्वयंसेवकों ने अपनी वेशभूषा के साथ नृत्य कर संस्कृति, विविधता व अखंडता का परिचय दिया, जोकि आकर्षण का केंद्र रहा।

कुलपति प्रो. बी.आर काम्बोज ने संबोधन में कहा कि समाज में फैली कुरीतियों को दूर करने में स्वयंसेवक एक अहम भूमिका निभा सकते हैं। साथ ही हमें पर्यावरण और जल संरक्षण करने की भी जरूरत है। तभी हम देश की उन्नति में बेहतरीन भागीदारी निभा सकते हैं। इसलिए हमें इन कर्तव्यों का पालन कर अच्छा नागरिक बनना चाहिए व दूसरों को भी ऐसे कार्यों को करने के लिए प्रोत्साहित करना चाहिए। रैली के दौरान स्वयंसेवकों ने इससे पहले की हम मिट जाएं-चलो हम ग्लोबल वार्मिंग मिटाएं, प्रकृति का न करो हनन, आओ बचाएं पर्यावरण, पर्यावरण बचाओ-जीवन बचाओ, जन जन का है यही नारा-पर्यावरण बचाना लक्ष्य हमारा के स्लोगन के माध्यम से लोगों को पर्यावरण व जल संरक्षण का संदेश दिया।

स्वयंसेवकों को अलग-अलग राज्यों की संस्कृति से जोड़ने के लिए सांस्कृतिक कार्यक्रम का भी आयोजन किया, जिसमें मुख्य अतिथि कुलपति प्रो. बी.आर काम्बोज रहे, जबकि हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड के पूर्व चेयरमैन डॉ. जगबीर सिंह विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद रहे।

कार्यक्रम के दौरान आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, उड़ीसा, असम, सिक्किम, सहित अन्य राज्यों के स्वयंसेवकों ने नृत्य, गायन, नाटक व लघु नाटिका के माध्यम से अपने-अपने लोकगीत, वेशभूषा, संस्कृति का परिचय दिया। इस दौरान डॉ. चंद्रशेखर डागर व डॉ. भगत सिंह भी मौजूद रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हिन्दुस्थान समाचार	01.03.2023	--------	---------

हिसार: समाज में फैली कुरीतियों को दूर करने में भूमिका निभाएं स्वयंसेवक: बीआर कम्बोज

01 Mar 2023 16:04:53

स्वयंसेवकों ने निकाली रैली, जल व पर्यावरण संरक्षण करने का दिया संदेश

विभिन्न राज्यों से आए स्वयंसेवकों ने दी सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति

हिसार, 01 मार्च (हि.स.)। यहां के हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना द्वारा आयोजित किए जा रहे सात दिवसीय राष्ट्रीय एकता शिविर में 13 राज्यों से आए स्वयंसेवक भाग ले रहे हैं। शिविर के पांचवें दिन जलवायु परिवर्तन विषय पर स्वयंसेवकों ने विश्वविद्यालय के गेट नंबर 4 से रैली निकाली। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर कम्बोज ने बुधवार को हरी झंडी दिखाकर रैली की शुरुआत की।

यह रैली विश्वविद्यालय के गेट नंबर 4 से शुरू होकर जवाहर नगर मार्किट, सेक्टर 15, मेन राजगढ़ रोड से होते हुए वापिस विश्वविद्यालय पहुंची। इस दौरान युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय, राष्ट्रीय सेवा योजना, नई दिल्ली से क्षेत्रीय निदेशक जैनजिनोश ने भी स्वयंसेवकों का हौसला बढ़ाया। अलग-अलग राज्यों से आए स्वयंसेवकों ने अपनी वेशभूषा के साथ नृत्य कर संस्कृति, विविधता व अखंडता का परिचय दिया, जोकि आकर्षण का केंद्र रहा।

कुलपति प्रो. बीआर कम्बोज ने संबोधन में कहा कि समाज में फैली कुरीतियों को दूर करने में स्वयंसेवक एक अहम भूमिका निभा सकते हैं। साथ ही हमें पर्यावरण और जल संरक्षण करने की भी जरूरत है। तभी हम देश की उन्नति में बेहतरीन भागीदारी निभा सकते हैं। इसलिए हमें इन कर्तव्यों का पालन कर अच्छा नागरिक बनाना चाहिए व दूसरों को भी ऐसे कार्यों को करने के लिए प्रोत्साहित करना चाहिए। रैली के दौरान स्वयंसेवकों ने इससे पहले की हम मिट जाएं-चलो हम ग्लोबल वार्मिंग मिटाएं, प्रकृति का न करें हरण, आओ बचाएं पर्यावरण, पर्यावरण बचाओ-जीवन बचाओ, जल जल का है यही नारा-पर्यावरण बचाना फर्ज हमारा के स्लोगन के माध्यम से लोगों को पर्यावरण व जल संरक्षण का संदेश दिया।

स्वयंसेवकों को अलग-अलग राज्यों की संस्कृति से जोड़ने के लिए सांस्कृतिक कार्यक्रम का भी आयोजन किया जिसमें मुख्य अतिथि कुलपति प्रो. बीआर कम्बोज रहे, जबकि हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड के पूर्व चेयरमैन डॉ. जगबीर सिंह विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद रहे। कार्यक्रम के दौरान आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, उड़ीसा, असम, सिक्किम सहित अन्य राज्यों के स्वयंसेवकों ने नृत्य, गायन, नाटक व लघु नाटिका के माध्यम से अपनी अपनी पारंपरिक वेशभूषा, संस्कृति का परिचय दिया। इस दौरान डॉ. चंद्रशेखर डागर व डॉ. भगत सिंह भी मौजूद रहे।

हिन्दुस्थान समाचार/राजेश्वर/संजीव

01 Mar 202
परिवहन व वि

01 Mar 202
चंडीगढ़ पुलि

01 Mar 202
खट्टर सरकार

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक हिसार	02.03.2023	-------	--------

एचएयू में आयोजित राष्ट्रीय एकता शिविर में स्वयंसेवकों ने निकाली रैली, जल व पर्यावरण संरक्षण करने का दिया संदेश

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना द्वारा 7 दिवसीय राष्ट्रीय एकता शिविर का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें 13 राज्यों से आए स्वयंसेवक भाग ले रहे हैं। शिविर के चौथे दिन जलवायु परिवर्तन विषय पर स्वयंसेवकों ने विश्वविद्याल के गेट नंबर 4 से रैली निकाली। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर काम्बोज ने हरी झंडी दिखाकर रैली की शुरुआत की। यह रैली विश्वविद्यालय के गेट नंबर 4 से शुरू होकर जवाहर नगर मार्केट, सेक्टर 15, मेन राजगढ़ रोड से होते हुए वापिस विश्वविद्यालय पहुंची। इस दौरान युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय, राष्ट्रीय सेवा योजना, नई दिल्ली में क्षेत्रीय निदेशक जैंगजिलांग ने भी स्वयंसेवकों का हौंसला बढ़ाया। अलग-अलग राज्यों से आए स्वयंसेवकों ने अपनी वेशभूषा के साथ नृत्य कर संस्कृति, विविधता व अखंडता का परिचय दिया, जोकि आकर्षण का केंद्र रहा।

कुलपति प्रो. बी.आर काम्बोज ने संबोधन में कहा कि समाज में फैली कुरीतियों को दूर करने में स्वयंसेवक हर अहम भूमिका निभा सकते हैं। साथ ही हमें पर्यावरण और जल संरक्षण करने की भी जरूरत है। तभी हम देश की उन्नति में बेहतरीन भागीदारी निभा सकते हैं। इसलिए हमें इन कर्तव्यों का पालन कर अच्छा नागरिक बनना चाहिए व दूसरों को भी ऐसे कार्यों को करने के लिए प्रोत्साहित करना चाहिए। रैली के दौरान स्वयंसेवकों ने इससे पहले की हम मिट जाएं- चलो हम ग्लोबल वार्मिंग मिटाएं, प्रकृति का न करें हरण, आओ बचाएं पर्यावरण, पर्यावरण बचाओ-जीवन बचाओ, जन जन का है यही नारा-पर्यावरण बचाना लक्ष्य हमारा के स्लोगन के माध्यम से लोगों को पर्यावरण व जल संरक्षण का संदेश दिया।

सांयकालीन में विभिन्न राज्यों से आए स्वयंसेवकों ने दी सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सिटी पल्स	01.03.2023	-------	--------

राष्ट्रीय एकता शिविर में स्वयंसेवकों ने निकाली रैली

सिटी पल्स न्यूज, हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना द्वारा 7 दिवसीय राष्ट्रीय एकता शिविर का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें 13 राज्यों से आए स्वयंसवेक भाग ले रहे हैं। शिविर के चौथे दिन जलवायु परिवर्तन विषय पर स्वयंसेवकों ने विश्वविद्याल के गेट नंबर 4 से रैली निकाली। कुलपति प्रो. बी.आर काम्बोज ने हरी झंडी दिखाकर रैली की शुरुआत की। यह रैली विश्वविद्यालय के गेट नंबर 4 से शुरू होकर जवाहर नगर मार्केट, सेक्टर 15, मेन राजगढ़ रोड से होते हुए वापिस विश्वविद्यालय पहुंची। कुलपति काम्बोज ने कहा कि समाज में फैली कुरीतियों को दूर करने में स्वयंसेवक हर अहम भूमिका निभा सकते हैं। साथ ही हमें पर्यावरण और जल संरक्षण करने की भी जरूरत है। तभी हम देश की उन्नति में बेहतरीन भागीदारी निभा सकते हैं। स्वयंसेवकों को अलग-अलग राज्यों की संस्कृति से जोड़ने के लिए सांस्कृतिक कार्यक्रम का भी आयोजन किया।